राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर

पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर

राजस्थान में पशु रोग पूर्वानुमान

अगस्त, 2017

वर्ष–14 **अंक–8**

प्रिय पशुपालक भाइयों, पशु चिकित्सकगण एवं पशुपालन विकास से जुड़े समस्त अधिकारी, कर्मचारीगण–

जसा कि आप सभी जानते हैं कि अप्रैल, 2004 से राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर के अन्तर्गत पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर के वैज्ञानिक उपलब्ध पूर्व आँकड़ों के आधार पर मौसम आधारित पशु रोग पूर्वानुमान लगातार घोषित कर रहे हैं। इस कड़ो में पशु रोग पूर्वानुमान अगस्त, 2017 माह का प्रस्तुत है। यह पूर्वानुमान वर्ष 1995 से आज तक राज्य भर के पशु रोग आँकड़ों को एक कम्प्यूटर कार्यक्रम द्वारा विश्लेषित कर विशेषज्ञों द्वारा पूर्वानुमान के रूप में ढ़ाला गया ह।

अगस्त माह के लिए निर्दिष्ट सावधानियां–

1. इस मौसम में अत्याधिक हरे कच्चे चारे–घास की उपलब्धता होती है जिसके ज्यादा खान से दस्त होने की आम समस्या हो सकती है अतः हरे चारे को सीमित मात्रा में देना ही पशु के लिए लाभकारी रहता है।
2. भेड़–बकरियों में इस समय ज्यादा चारा खाने से फडकिया रोग अत्याधिक संख्या में होता है। ऐसी स्थिति में भेड़–बकरियों को नियंत्रित चारा चराने की काशिश करनी चाहिए।
3. इस मौसम में पशु के शरीर पर किसी भी प्रकार के घाव की देखभाल सही तरीके से करें अन्यथा घाव पर मक्खी बैठकर अण्डे देती है और घाव में कीड़े पनप जाते हैं। घाव को अच्छी प्रकार से लाल दवा से धोकर, एंटीबायोटिक मल्हम लगाये।
4. वर्षाकाल में मक्खी, मच्छर, अन्य कीट व चींचड इत्यादि का प्रकोप बहुत बढ़ जाता है अतः पशुपालकों को चाहिए की पशु बाड़े के आस–पास गन्दा पानी एकत्र ना होने दें ताकि इन मच्छर, कीट इत्यादि को पनपने व फैलने से बचाया जा सके।
5. पशुओं के चारे–दाने को गन्दे बरसाती पानी के संक्रमण से बचा कर रखें, इस प्रकार अन्तः परजीवियों के संक्रमण से भी पशुओं को बचाया जा सकेगा।
6. सर्पदंश से इन दिनों काफी पशुओं की मृत्यु होती है अतः पशुबाड़े के आस–पास गन्दगी व सर्प के छिपने के स्थानों पर निगरानी रखनी चाहिये ताकि सर्पदंश से पशुओं को बचाया जा सके।

सर्वाधिक सम्भावित पशु रोग पूर्वानुमान–अगस्त 2017

पशु रोग	पशु प्रकार	जिला
मुँह–खुरपका रोग	गौवंश, भैंस, बकरी, भेड़	बाँसवाड़ा, भरतपुर, दौसा, श्रीगंगानगर, जयपुर, झुंझुनूं, धौलपुर, सवाईमाधोपुर, अलवर, बून्दी, हनुमानगढ़, चूरू, कोटा, अजमेर, बीकानेर
बोवाइन इफिमिरल ज्वर (तीन दिन का बुखार)	गौवंश, भैंस	जैसलमेर, बाड़मेर, बीकानेर, जोधपुर, जालोर, जयपुर
पी.पी.आर.	बकरी, भेड़	जयपुर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, सवाई–माधोपुर, बीकानेर, चूरू, पाली, सिरोही, सीकर
न्यूमोनिक पाश्चुरेलोसिस	भैंस, गौवंश, बकरी, भेड़	सीकर, सिरोही, पाली, जालोर, हनुमानगढ़, जयपुर, कोटा, बीकानेर, श्रीगंगानगर, अलवर, टौंक
गलघोंटू	भैस, गावंश	हनुमानगढ़, धौलपुर, जयपुर, सवाईमाधोपुर, दौसा टौक, बून्दी, राजसमन्द, पाली, सीकर, चित्तौड़गढ़, अलवर, उदयपुर
ठप्पा रोग	गौवंश, भैंस	हनुमानगढ़, जयपुर, बीकानेर, भीलवाड़ा, पाली, राजसमन्द, जैसलमेर, चित्तौड़गढ़
फड़किया	बकरी, भेड़	सवाई–माधोपुर, बाँसवाड़ा, जयपुर, कोटा, सीकर, बीकानेर, श्रीगंगानगर, धौलपुर, भीलवाड़ा, कोटा, बारां, पाली, सिरोही
सर्रा	ऊँट, भैंस, गौवंश	बाँसवाड़ा, धौलपुर, हनुमानगढ़, बून्दी, सीकर, श्रीगंगानगर, भरतपुर
रक्त परजीवी (थाइलेरिओसिस एवं बबेसियोसिस)	भैंस, गौवंश	बाँसवाड़ा, बीकानेर, बून्दी, धौलपुर, हनुमानगढ़, चूरू, सवाई–माधोपुर, श्रीगंगानगर, सीकर, भरतपुर
अन्तः परजीवी (गोल–कृमि एवं पर्ण–कृमि)	भैंस, गौवंश, भेड़, बकरी	डूंगरपुर, कोटा, राजसमन्द, बाँसवाड़ा, सवाईमाधोपुर, भरतपुर, बून्दी, धौलपुर, हनुमानगढ़, सूरतगढ, सीकर
खुजली (Mange)	ऊँट, भेड़, बकरी	झुझन्, बीकानेर, श्रीगंगानगर, जैसलमेर, बाडमेर, जयपुर, अलवर, सीकर, हनुमानगढ़

विस्तृत जानकारी के लिए सम्पर्क करें – प्रो. त्रिभुवन शर्मा, अधिष्ठाता, वेटरनरी कॉलेज, बीकानेर, डॉ. ए.के. कटारिया, प्रभारी अधिकारी, एपेक्स सेन्टर एवं डॉ. अन्जु चाहर, विभागाध्यक्ष, जनपादकीय रोग विज्ञान एवं निवारक पशु औषध विज्ञान विभाग, वेटरनरी कॉलेज, बीकानेर । फोन– 0151–2204123, 2544243, 2201183

मुद्रित सामग्री बुक पोस्ट भारत सरकार की सेवार्थ
अंक–14 (8) 2017

सेवामें

.....

.....

.....

प्रेषक –
जन सम्पर्क प्रकोष्ठ
राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर–334 001
Phone: 0151-2200805, Fax: 0151-2200805, E-mail: prcrajuvas@gmail.com
Website: www.rajuvas.org